AUDITING

B.Com. Honours Part-1 Paper-2

Topic *– Causes of Depreciation*

By- Dr. Jitendra Kumar

P.G. Dept. of Commerce & Business Management

H.D. Jain College, Ara, Bhojpur, Bihar- 802301

ह्रास के कारण (Causes of Depreciation)

स्थायी सम्पत्तियों के मूल्यों में ह्रास के मुख्य कारण निम्नलिखित हो सकते हैं—

1. सम्पत्तियों का लगातार प्रयोग (Continuous Use of Asset) — व्यवसाय में सम्पत्तियों का लगातार प्रयोग होने से उनमें घिसावट तथा क्षय होता है जिसके फलस्वरूप उनकी कार्यक्षमता में कमी आती है। यह कमी मरम्मत द्वारा रोका जा सकता है लेकिन लम्बे समय तक मूल्य में गिरावट को नहीं रोका जा सकता है।

2. समय की समाप्ति (Effluxion of Time) — पट्टे पर ली गई स्थायी सम्पत्तियाँ तथा पेटेन्ट आदि का समय निश्चित होता है। इनका प्रयोग होने में इनमें लगातार कमी होती रहती है और समय व्यतीत होने के साथ-साथ इन सम्पत्तियों के मूल्य में ह्रास होता है।

3. रिक्तता के कारण (Due to Depletion) — कुछ सम्पत्तियाँ इस तरह की होती हैं जिनका एक सीमित भण्डार होता है (जैसे खदानें तथा तेल के कुएँ) जैसे-जैसे इन खदानों में से कच्चा माल निकाला जाता है वैसे-वैसे खदानों में रिक्तता आती जाती है और एक समय ऐसा आता है कि इनमें से और कच्चा माल निकालना अलाभकारी होता है।

4. अप्रचलन द्वारा (By Obsolescence) —
वर्तमान समय में नये-नये मशीनों का आविष्कार हो रहा है पुराने मशीनों की तुलना में इनकी उत्पादन क्षमता अधिक होती है और लागत में भी कमी आती है जिसके कारण पुरानी मशीने अप्रचलित हो जाती हैं, इस प्रकार पुरानी मशीन से ~~होने~~ हानि अप्रचलन द्वारा मूल्य ह्रास का कारण होती है।

5. दुर्घटना के द्वारा (Due to Accident) —
कभी-कभी दुर्घटनाओं के कारण कुछ सम्पत्तियाँ बरबाद हो जाती हैं जैसे-बाढ़ आग इत्यादि दुर्घटनाओं से होने वाली क्षति। यह दुर्घटना द्वारा मूल्य ह्रास कहा जाता है।

6. समय की समाप्ति (Effluxion of Time) —
कुछ सम्पत्तियाँ जैसे- पट्टे पर ली गयी सम्पत्ति पेटेन्ट आदि का समय निश्चित होता है इनका समय समाप्त होने के साथ-साथ इनके मूल्यों में कमी आती है, जो ह्रास का कारण बनती है।

7. बाजार मूल्य में स्थायी कमी (Permanent fall in the Market Value) — कुछ सम्पत्तियाँ ऐसी होती हैं जिनके बाजार मूल्य में स्थायी [illegible] से जिनका मूल्य में स्थायी कमी आ जाती है जो स्थायी रूप से ह्रास का कारण बनती है।